अवैध कार्य को रोकना

''क''44. श्री विनय कुमार सिंह--क्या मंत्री, सहकारिता विभाग, यह बतलाने कि कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि विस्कोमान द्वारा स्टेट एजेंसी के रूप में कोयला का वितरण छोटे एवं अति लघु उपभोक्ताओं को किया जाता रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि सेन्ट्रल कोल फिल्ड्स लिमिटेड के महाप्रबंधक ने अपने पत्रांक 11048, दिनांक 18 सितम्बर, 2006 द्वारा सचिव, सहकारिता को यह सूचित किया है कि विस्कोमान द्वारा स्टेट एजेंसी के रूप में अस्तित्वहीन तथा बन्द इकाइयों को कोयले आपूर्ति की जा रही है;

(3) क्या यह बात सही है कि उद्योग निदेशक, बिहार सरकार ने अपने पत्रांक 2001, दिनांक 1 सितम्बर, 2006 एवं पत्रांक 1342, दिनांक 21 जून, 2006 द्वारा यह स्पष्ट किया है कि विस्कोमान द्वारा कोयला की कालाबाजारी की जा रही है एवं बन्द तथा अस्तित्वहीन इकाइयों को कोयला आवंटित किया जा रहा है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस अवैध कार्य को रोकने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अनियमितता की जांच

''ख''49. श्री विनय कुमार सिंह--क्या मंत्री, सहकारिता विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि धान अधिप्राप्ति में विस्कोमान पर समय-समय पर अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते रहे हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि जिला पदाधिकारी, रोहतास (सासाराम) ने अपने पत्रांक 756, दिनांक 22 अक्तूबर, 2007 के द्वारा निबंधन सहयोग समितियां, बिहार को विस्कोमान द्वारा धान अधिप्राप्ति संबंधी आरोपों के संबंध में लिखा है;

(3) क्या यह बात सही है कि आरक्षी महानिरीक्षक-सह-मुख्य-निगरानी पदाधिकारी द्वारा धान अधिप्राप्ति में वर्ष 2007-08 में हुई अनियमितता संबंधी जांच प्रतिवेदन सरकार को दिया गया है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, क्या सरकार इसके लिए प्रत्येक जिले के पदाधिकारी से धान अधि-प्राप्ति के संबंध में की गई अनियमितताओं के संबंध में जांच कराने विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

दुर्घटना से निजात दिलाना

56. श्री अशोक कुमार--क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पटना शहर के सड़कों का चौड़ीकरण करने के क्रम में हजारों पेड़ को काट दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि सड़कें चौड़ी की गयी पर बिजली एवं टेलीफोन के खम्भे अपने पुराने स्थान पर खड़े हैं;

(3) क्या यह बात सही है कि शहर के सड़कों में अनगिनत मैन होल के ढक्कन गायब है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार पर्यावरण संरक्षण का ख्याल रखते हुए खुले मैन होल्स एवं बिजली/टेलीफोन के ऐसे बेतरतीब खड़े खम्भों के वजह से हो रहे दुर्घटनाओं से निजात दिलाते हुए कौन-सी कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है ?

लाभुकों को खाद्यान्न नहीं देने का औचित्य

57. श्री चन्द्रशेखर--क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिले के नवहट्टा प्रखण्ड के मत्तौर पंचायत के 52 अन्त्योदय कार्डधारियों को नवम्बर, 2009 से मई, 2010 तक एवं 115 अन्त्योदय कार्डधारियों को जून, 2010 से दिसम्बर, 2010 तक का खाद्यान्न जन-वितरण प्रणाली के डीलर महेश्वर यादव द्वारा वितरण नहीं किया गया है, जबकि बिहार राज्य खाद्य निगम से वे उक्त अवधि का खाद्यान्न उठाव कर चुके हैं;

नोट--''क'' दिनांक 17 मार्च, 2011 को सदन द्वारा स्थगित।

''ख'' दिनांक 17 मार्च, 2011 को सदन द्वारा स्थगित।

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सभी लाभुक महादलित समुदाय के मुसहर है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त लाभुक द्वारा जिलाधिकारी, सहरसा एवं अनुमंडलाधिकारी सदर सहरसा एवं लोकायुक्त बिहार को खाद्यान्न हेतु अक्टूबर, 2010 में आवेदन दिया गया, जांच भी हुई लाभुक द्वारा कूपन जांच पदाधिकारी को दिखाया गया; लेकिन कार्रवाई नहीं हुई;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोषी जन-वितरण प्रणाली के डीलर के अनुज्ञप्ति रद्द करने एवं दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक ?

शुद्ध जल की व्यवस्था

58. श्री अख्तरूल इमान--दिनांक 13 मार्च, 2011 को दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक "24 हजार टोलों में पी रहे हैं दूषित पानी" के आलोक में क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के नौ जिलों यथा मधेपुरा, पूर्णियां, किशनगंज, अररिया, कटिहार, बेगूसराय इत्यादि के 18673 टोला लौह प्रभावित पानी, तेरह जिला यथा बक्सर, भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, समस्तीपुर इत्यादि के 1590 टोला आर्सेनिक प्रभावित पानी तथा ग्यारह जिला यथा-गया, नवादा, रोहतास, भागलपुर इत्यादि के 4157 टोला के लोग फ्लोराईड प्रभावित दूषित पानी पीने पर विवश हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि लौह, आर्सेनिक एवं फ्लोराईड युक्त पानी पीने से मानव जीवन पर कुप्रभाव पड़ता है तथा इससे लीवर, एसिडिटी, हड्डी एवं दांत की बीमारियां होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त सभी जिलों के टोलों में शुद्ध पानी की व्यवस्था करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

लाभार्थी को कूपन दिलाना

59. श्रीमती रंजू गीता--क्या मंत्री, खाद्य उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बाजपट्टी नानपुर एवं बोखरा प्रखण्ड स्थित जन-वितरण प्रणाली में ए०पी०एल०/बी०पी०एल० परिवारों को राशन, किरासन तेल, अन्त्योदय, अन्नपूर्णा योजना के तहत कूपन निर्गत करने का प्रावधान है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त निर्गत कूपन को जन वितरण प्रणाली के पंचायत सचिव और अधिकारियों द्वारा लाभार्थी परिवार के बीच वितरण नहीं कर अपने पास रख लेते हैं, जिससे वर्णित परिवारों को उक्त सामानों के उठाव करने में अत्यधिक कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार निर्गत कूपनों को लभार्थी परिवारों के बीच वितरण कर नियमित रूप से सरकारी प्रावधानों के तहत खण्ड (1) में वर्णित सामानों की समुचित ढंग से वितरण करने हेतु कौन-सी कार्रवाई कबतक करना चाहती है, और नहीं, तो क्यों ?

यांत्रिकरण की उपलब्धि

60. श्री गजानन्द शाही--क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु 150 करोड़ रुपया कार्णांकित है, यदि हां, तो अबतक इस मद में प्राप्त वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धि क्या है ?

पटना:
दिनांक 24 मार्च, 2011 (ई०)।

गिरीश झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा।

बि०स०मु० (एल०ए०), 154-डी०टी०पी०--450